जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 167 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 9 जनवरी, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अप्रेल में राज्यसभा की सीटें खाली हो रही हैं राजस्थान से

ऐसा अनुमान है, दो सीटें भाजपा को और एक कांग्रेस को मिलेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। राजस्थान से कांग्रेस के लिए एकमात्र राज्यसभा सीट को लेकर हड़बड़ी शुरू हो गई है।

जो उम्मीदवार संसद के ऊपरी सदन में प्रवेश करने के लिए दौड़ में हैं, उनकी सूची लंबी है। उतनी ही लंबी, जितनी इन कांग्रेसी नेताओं की आकांक्षाएं।

अप्रैल 2026 में तीन सीटें खाली होंगी, जिनमें से दो सीटें भाजपा को मिलेंगी, और एक सीट कांग्रेस पार्टी को मिलेगी।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राज्यसभा में अपना स्थान बनाने और अपनी राजनीति दिल्ली शिफ्ट करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अच्छे से मालूम है कि राजस्थान में उनके रास्ते बंद हो चुके हैं।

वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को हटाकर उनकी जगह राज्यसभा में विपक्ष के नेता बनने का सपना देख रहे हैं।

जैसा कि पहले ही रिपोर्ट किया गया है, गहलोत अपनी सभी तैयारियाँ मुंबई से कर रहे हैं, जो देश की वित्तीय राजधानी है।

- कांग्रेस की सीट के लिए काफी घमासान मचा है तथा सबसे आगे खड़े हैं, पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत। गहलोत की महत्वाकांक्षा है, वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालें। इसीलिए गहलोत देश की फायनैंशियल राजधानी मुंबई गए हुए हैं, अपनी राज्यसभा सीट का पूरा इंतज़ाम करने।
- दूसरे सशक्त उम्मीदवार हैं, अभिषेक मनु सिंघवी। जाने माने वकील, जो कांग्रेस के लिए कवच की जिम्मेवारी निभाते हैं, पार्टी व उसके नेताओं के खिलाफ दायर मुकदमों में। दो वर्ष पूर्व वे तेलंगाना से राज्यसभा सदस्य बने, बाई इलैक्शन में। उनका कार्यकाल इस वर्ष पूरा हो रहा है, अतः वे राजस्थान से राज्यसभा सदस्य बनने का प्रयास कर सकते हैं। पर, उनके समक्ष तेलंगाना का विकल्प भी है, क्योंकि तेलंगाना में भी सीटें खाली हो रही हैं। एक पर तेलंगाना के मु.मंत्री अपने नज़दीकी अनिल यादव को लाना चाहते हैं, पर, दूसरी सीट पर अभी तक कोई गंभीर उम्मीदवार नहीं है।
- राजस्थान में कांग्रेस की सीट के लिए तीसरे महत्वपूर्ण उम्मीदवार पवन खेड़ा हैं। पिछली बार भी वे उम्मीदवार थे, पर, हार गए थे और अपनी हार पर उनकी रोचक टिप्पणी थी, ''शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई थी।'' इस बार वे उस कमी को पूरा करने के लिए विपश्यना कैम्प में भी गए थे।
- वरिष्ठ नेता सी.पी. जोशी, कांग्रेस की सीट पर आँख गाड़े बैठे हैं, हालांकि, वे राहुल गांधी को नाराज़ कर चुके हैं, अतः के.सी. वेणुगोपाल के रास्ते से अंदर घुसना चाहते हैं।
- वैसे पवन गोदारा का नाम भी जोरों से चल रहा है। तर्क है कि जाट को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाया जाएगा। अतः दूसरे जाट को राज्यसभा का टिकट देकर, जाटों को थोड़ी सांत्वना तो देनी ही चाहिए।

एक और दावेदार हैं अभिषेक मनु सिंघवी, जो राजस्थान से हैं और राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। दो साल पहले उन्हें तेलंगाना से उपचुनाव में राज्यसभा के लिए चुना गया था, उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में फ्लू के मामलों में तेजी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। पिछले कुछ हफ्तों से दिल्ली-एनसीआर में फ्लू जैसे लक्षणों और सांस से जुड़ी बीमारियों के मामलों में साफ बढ़ोतरी देखी जा रही है। मरीजों में खांसी-जुकाम, तेज बुखार, बदन दर्द, छाती में जकड़न, सिरदर्द और कुछ मामलों में उल्टी जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं।

चिंता की बात सिर्फ मरीजों की संख्या नहीं है, बल्कि बीमारी का तरीका भी है। कई लोग उम्मीद से ज्यादा समय में ठीक हो रहे हैं, जबकि कुछ की, थोड़ी राहत के बाद, फिर से तबीयत बिगड़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि यह सर्दियों में होने वाले मौसमी संक्रमण जैसा ही है, लेकिन लक्षणों की तीव्रता, खासकर अचानक तेज बुखार और लंबे समय तक रहने वाली खांसी, लोगों को डरा रही है।

- सूत्रों ने बताया कि लोगों में खांसी, जुकाम, तेज बुखार, बदन दर्द, सीने में जकड़न, सिरदर्द और उल्टी की शिकायत बढ़ गई है। कुछ मरीजों में तो एच3 एन3 वायरस भी पाया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका हमेशा वेनेज़ुएला के ऑयल के निर्यात पर नियंत्रण रखेगा?

राष्ट्रपति ट्रंप व अमेरिका के एनर्जी सैक्रेटरी क्रिस राइट ने अमेरिका का यह दीर्घकालीन प्लान उजागर किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। ट्रम्प प्रशासन वेनेज़ुएला के तेल की भविष्य में होने वाली बिक्री पर नियंत्रण करने और उसकी आय को अमेरिकी खातों में रखने की योजना बना रहा है। ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने यह जानकारी दी, जो अब तक की वॉशिंगटन की रणनीति पर सबसे स्पष्ट बयान है। यह रणनीति वेनेज़ुएला के कच्चे तेल को बाज़ार में लाने और इसके सबसे मूल्यवान संसाधन पर नियंत्रण रखने के लिए है।

राइट, जो बुधवार को मायामी गोल्डमैन सैक्स ग्रुप इंक. के सम्मेलन में बोल रहे थे, ने कहा कि शुरुआत में यह तेल वेनेज़ुएला के स्टोर किए गए तेल से आएगा, जो अमेरिकी नाकेबंदी के कारण भरने लगा है और कुछ उत्पादन को ऑफलाइन करने की धमकी दे रहा है।

राइट ने कहा, ''हम बस उस तेल को फिर से प्राप्त करेंगे और बेचेंगे, हम वेनेज़ुएला से आने वाले तेल को मार्केट करेंगे, पहले यह बैक-अप स्टोर किया हुआ तेल और फिर अनिश्चितकालीन रूप से हम वेनज़ुएला से जो उत्पादन होगा, उसे बेचेंगे।''

- ट्रंप के अनुसार, पहले अमेरिका वेनेज़ुएला के पास जमा उस 50 मिलियन बैरल ऑयल, जिसकी कीमत 2.8 बिलियन डॉलर आंकी जाती है और जो वेनेज़ुएला के स्टोरेज में रखा है और जिसकी अमेरिका के ''ब्लॉकेड'' के कारण बिक्री नहीं हो सकी थी, को बेचेगा।
- और इसके बाद जो भी ऑयल वेनेज़ुएला की ऑयल फील्डस से निकलेगा, उसका बेचान भी अमेरिका ही करेगा।
- इसके अलावा अगले सप्ताह, अमेरिका की सीनेट में एक विधेयक पेश होगा, जिसके अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति को अधिकार मिलेगा, मॉस्को से व्यापारिक संबंध रखने वाले देश, जैसे भारत, चीन, ब्राज़ील आदि, पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकने का, अगर ये देश रूस से ऑयल खरीदते रहे।
- यह 500 प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया जाएगा, क्योंकि अमेरिका की दृष्टि में ये देश रूस से ऑयल खरीद कर रूस के हाथ मजबूत कर रहे हैं, यूक्रेन युद्ध जारी रखने के लिए।

यह योजना तब सामने आई है, जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या लद्दाख में भारतीय सेना को रैस्क्यू मिशन्स में उलझाया जा रहा है

उमलिंग ला पास पर एक यू ट्यबूर को सेना द्वारा बचाए जाने से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। लद्दाख में ऊंचाई वाले इलाकों में बचाव अभियानों में भारतीय सेना की भूमिका को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। यह बहस उस वायरल वीडियो के बाद शुरू हुई है, जिसमें एक मशहूर यूट्यूबर को ''उमलिंग ला पास'' के पास बचाया जाता हुआ दिखाया गया है। उमलिंग ला दुनिया की सबसे ऊंची मोटर चलाने योग्य सड़कों में से एक है। यह बहस एक्स पर रतन ढिल्लों की पोस्ट से शुरू हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से सेना अपने मुख्य काम से भटक जाती है, जबकि यह इलाका बहुत संवेदनशील सीमा क्षेत्र है।

ढिल्लों ने कहा, ऐसा लगता है कि लद्दाख क्षेत्र में भारतीय सेना को अपने असली कर्तव्यों पर ध्यान देने के बजाय, लोगों को बचाने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे उसकी परेशानियाँ बढ़

- उमलिंग ला पास विश्व की ऐसी सबसे ऊंची सड़कों में से एक है, जहाँ वाहन चलाया जा सकता है, पर, इसके लिए वाहन चालक में विशेष योग्यता की जरूरत होती है।
- एक यूज़र, रतन ढिल्लों ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में कहा, ऐसे खराब मौसम में इन दुर्गम स्थानों पर जाने की किसी को भी अनुमति क्यों दी जाती है, क्योंकि इन लोगों को बचाने की कवायद में सेना अपने असली मिशन से भटक जाती है।

रही हैं।

इस घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, ''हाल ही का एक उदाहरण एक मशहूर यूट्यूबर का है, जिसे न तो सही ड्राइविंग आती थी और न ही उसे ऊंचाई वाले इलाकों का कोई अनुभव था। उसे कल उमलिंग ला पास पर बचाना पड़ा, जो दुनिया का सबसे ऊंचा मोटर चलाने योग्य पास है। उसने खुद वीडियो में ''ब्लैक आइस'' का जिक्र किया है और यह भी कहा है कि वहां आसपास कोई और व्यक्ति या वाहन मौजूद नहीं था।''

इस पोस्ट ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आम लोगों, खासकर खराब मौसम के समय, को ऐसे बेहद खतरनाक इलाकों में जाने की इजाज़त क्यों दी जाती है।

ढिल्लों ने एक्स पर पूछा, ''इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भर्ती प्रक्रिया के हर स्तर पर मिली भगत साबित नहीं हुई'

जयपुर, 8 जनवरी। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में गुरुवार को चयनित अभ्यर्थियों की ओर से हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष अपना पक्ष रखा गया। वहीं, अदालत ने मामले में अब 12 दिसंबर को सुनवाई तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व अन्य की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- एसआई भर्ती मामले में चयनित अभ्यर्थियों के अधिवक्ता ने पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान, चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएन माथुर ने अदालत को बताया कि मामले में एसओजी की रिपोर्ट नकल कराने वाली गैंग के सदस्यों का इतिहास बताती है, न कि इस भर्ती के पेपर लीक को। एकलपीठ के समक्ष याचिकाकर्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लगातार नौवाँ बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री होंगी निर्मला सीतारमण

सबसे मजेदार बात यह है कि उन्होंने अब तक के अपने सभी बजट एक ही प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में पेश किए हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहली बार 1 फरवरी को 2026-27 का केन्द्रीय बजट पेश करेंगी, जो कि रविवार का दिन होगा।

इससे पहले, बजट शनिवार को तो पेश किया जाता रहा है, लेकिन कभी भी रविवार को नहीं पेश किया गया।

संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति का सम्बोधन 28 जनवरी को होगा, जो बजट सत्र की शुरुआत होगी। आर्थिक सर्वेक्षण (इकॉनॉमिक सर्वे) 29 जनवरी को पेश किया जाएगा।

हाल ही में हुए अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों, जिनमें वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा एक सनसनीखेज सैन्य ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया, को देखते हुए, इस सत्र में विवाद होने की संभावना है।

- इससे पहले, हालांकि, मोरारजी देसाई 10 बजट पेश कर चुके हैं, पर, उन्होंने दो अलग-अलग दौर में बजट पेश किए थे।
- इस बार के बजट की एक खास बात यह है कि बजट एक फरवरी, रविवार को पेश होगा, आमतौर पर रविवार को संसद में अवकाश रहता है।
- लेकिन हालिया अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम की वजह से संसद में विपक्ष के सवाल सरकार को असहज कर सकते हैं। वेनेज़ुएला घटनाक्रम पर भारत सरकार की हल्की प्रतिक्रिया को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो सकता है।
- इसके अलावा भारतीय प्रधानमंत्री के संदर्भ में ट्रंप की अपमानजनक टिप्पणियों व धमकियों के मद्देनज़र भी विपक्ष सरकार की घेराबंदी के लिए तैयार है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता सरकार से वेनेज़ुएला में हुए घटनाक्रमों पर भारत सरकार की मूक प्रतिक्रिया पर सवाल उठाने की तैयारी कर रहे हैं, साथ ही हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक और उकसाने वाली टिप्पणियों पर भी विपक्ष सवाल करेगा। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते निचले स्तर पर हैं, और वॉशिंगटन रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल लागू करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य भारत, चीन तथा ब्राज़ील सहित, उन देशों को दंडित करना है, जो रूस का तेल खरीदते हैं और ''पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन प्रदान करते हैं''। इस बिल में एक प्रावधान है, जिसके तहत संयुक्त राज्य अमेरिका उन देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा सकता है, जो रूस का तेल खरीदते हैं। प्रधानमंत्री मोदी या उनके किसी वरिष्ठ मंत्री ने इन घटनाक्रमों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विपक्षी नेता इन और अन्य संबंधित मुद्दों पर सरकार को घेरने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरमथुरा में खनन माफिया ने वनरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ाया

सरमथुरा, 8 जनवरी (निसं)। उपखंड के झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल रेत खनन रोकने के दौरान वनरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। बुधवार रात करीब 12 बजे अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर को वनरक्षक के पैर पर चढ़ा दिया।

- वनरक्षक जितेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल, ट्रैक्टर चालक वाहन सहित फरार।

घायल वनरक्षक का नाम जितेन्द्र सिंह है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

यह घटना बुधवार रात को हुई। वनपाल बने सिंह को सुरक्षाकर्मी रघुराज (निवासी झिरी) से अवैध चंबल खनन की सूचना मिली थी। बताया गया था कि खनन माफिया ट्रैक्टरों से रेत ले जा रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर वन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता अपने वफादार के यहाँ चल रही ईडी की रेड के दौरान बंगाल पुलिस के साथ पहुँची

सबूत के रूप में इकट्ठे सारे कागज़ात, इलैक्ट्रॉनिक प्रमाण व कम्प्यूटर लेकर रवाना हुईं

-अंजय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। हमेशा की तरह ममता बनर्जी को जांच पसंद नहीं है, खासकर तब, जब जांच उनके प्रभाव वाले इलाकों में हो रही हो।

ममता बनर्जी ने अपराधों के सबूत मिटाने और आरोपित लोगों को बचाने में खास महारथ हासिल कर ली है। ईडी जैसी संवेदनशील एजेंसी की जांच में रुकावट डालने पर भी ऐसे बड़े लोगों के खिलाफ कुछ नहीं होता, जबकि आम आदमी को इसी अपराध में सालों तक जेल हो सकती थी।

पिछले साल कोलकाता में राज्य सरकार के एक अस्पताल में एक युवा डॉक्टर को दी गई यातना और हत्या के मामले में भी इसी तरह से मामला दबा दिया गया था। उसके बाद उस डॉक्टर की मौत और हत्या की जांच का क्या हुआ, इसकी किसी को कोई खबर नहीं है।

राजनीतिक सलाहकार कंपनी आई-पैक के दफ्तरों पर ईडी के छापों और जांच की कार्यवाही उस समय रूक गई, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दफ्तर में घुस कर राज्य पुलिस की मदद से वहां से अहम कागज़ात, इलेक्ट्रॉनिक सबूत और कंप्यूटर जबरन उठाकर ले गईं।

अनुप माझी और उसके साथियों पर आरोप है कि उन्होंने ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की लीज़ से कोयला चोरी किया और उसका पैसा आई-पैक को भेज दिया गया, जिसे बाद में हवाला के जरिए इधर-उधर किया गया। ईडी, आई-पैक और उसके प्रमुख, प्रतीक जैन के कुल दस ठिकानों से सबूत इकट्ठा कर रही थी।

- फिर, एक प्रैस कॉन्फ्रैंस कर ईडी पर आरोप लगाया कि ईडी उनके चुनाव की रणनीति व आगामी चुनाव से संबंधित कागज़ात व डेटा ले जा रही थी। अतः उन्हें व्यक्तिगत तौर पर हस्तक्षेप करना पड़ा, अपनी पार्टी की चुनाव संबंधित जानकारियों की गोपनीयता बरकरार रखने के लिए।
- सबूत मिटाकर, अपने आदमी को बचाने की नीति का ममता बनर्जी शुरु से अनुसरण करती आई हैं, चाहे, गतवर्ष एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की हत्या व बलात्कार का मामला हो या दमदम हवाई अड्डे पर उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की पत्नी को भारी मात्रा में सोने के साथ पकड़े जाने का मामला हो, कस्टम व एक्साइज़ विभाग के अधिकारी उनको हिरासत में लेने की तैयारी में थे, उस समय भी बंगाल पुलिस का जत्था हवाई अड्डे पहुँचा व गिरफ्तारी के प्रयास को नाकाम किया तथा श्रीमती अभिषेक बनर्जी सोने के साथ बाइज़्ज़त हवाई अड्डे से बाहर निकली थी।

इनमें से छह दफ्तर और ठिकाने पश्चिम बंगाल में और चार दिल्ली में थे। सभी जगह एक साथ छापे की कार्यवाही चल रही थी। सॉल्ट लेक स्थित आई-पैक के मुख्य दफ्तर और प्रतीक जैन के घर पर भी अवैध कोयला खनन और हवाला लेन-देन के मामले में ईडी छापा मार रही थी।

ईडी सूत्रों ने बाद में बताया कि कई बहुत अहम सबूत पहले ही जुटा लिए गए थे तथा और भी सबूत मिल रहे थे, तभी मुख्यमंत्री अपनी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंचीं और सभी अहम कागज़ात और इलेक्ट्रॉनिक सबूत अपने साथ ले गईं।

ईडी प्रतीक जैन के घर पर थी, जो आई-पैक के मालिकों और संस्थापकों में से एक हैं। उन पर अनुप माझी के साथ मिलकर कोयला तस्करी और हवाला लेन-देन करने का आरोप है। अनुप माझी पहले ही पकड़ा जा चुका है और उससे पूछताछ चल रही है।

कहा गया है कि ममता बनर्जी, उनके करीबी और रिश्तेदार पहले भी इस तरह बिना किसी डर के ऐसे काम करते रहे हैं। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी पहले इसी तरह का काम किया था।

बाद में ममता बनर्जी ने प्रेस को बुलाकर कहा कि ईडी आई-पैक के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भर्ती परीक्षा में नकल का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 8 जनवरी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) राजस्थान ने भर्ती परीक्षा में नकल कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दस हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशासी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के दौरान नकल कराने की शिकायत मिली थी। तकनीकी जांच में सामने आया कि तुलछाराम कलेर और पावर कलेर गैंग द्वारा परीक्षा केन्द्र के आसपास रहकर अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के

- आरोपी खुद गैंग से मिली भगत कर ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कर रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)